सूर्या फाउण्डेशन

SURYA FOUNDATION

आदर्श गाँव योजना

चयनित आदर्श गाँव

बसई - काशीपुर (उत्तराखण्ड)

- सूर्या संस्कार केन्द्र
- सूर्या यूथ क्लब
- सूर्या सिलाई केन्द्र
- ग्राम सेवा समिति
- स्व-सहायता समूह
- ग्राम गौरव मेला
- वृक्षारोपण महाअभियान
- तालाबों का गहरीकरण
- स्वास्थ्य शिविर
- पशु चिकित्सा शिविर
- गौआधारित जैविक कृषि

suryafoundation1 | suryafnd | surya_foundation | suryafoundation

Website : www.suryafoundation.org

संदेश

चेयरमैन की कलम से..

पद्मश्री
–जयप्रकाश

मेरा गाँव, मेरा बड़ा परिवार

भारत गाँवों का देश है। आज भी लगभग तीन चौथाई जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। अर्थव्यवस्था का केन्द्र गाँव ही है, खाद्यान्नों की निर्भरता गाँवों पर ही है। गाँव और जमीन पर तो निभरता बढ़ती ही जा रही है। गाँवों के विकास से मतलब गाँवों को शहरों में बदलना नहीं बल्कि गाँवों में सुविधाएँ बढाना है। गामवासियों के लिये कमाई, रोजगार के साधन, गाँव में ही उपलब्ध हो। वहाँ हर हाथ को काम हो और हर काम के लिये व्यक्ति उपलब्ध हो। गाँव स्वावलंबी बने। मुख्यतः हम चाहते हैं कि गाँव संस्कृति, आस्था और लोक-कलाओं के प्रमुख केन्द्र बनें।

सूर्या फाउण्डेशन की उपलब्धियाँ

- ✓ पिछले 25 वर्षों में 2 लाख युवाओं के आवासीय व्यक्तित्व विकास शिविर– PDC
- ✓ देश में सरकारी तंत्र की कार्यशैली को ठीक करने के लिए वर्ष 2002 में सत्याग्रह।
- ✓ सन् 2006 में INO Big Programme जिसमें 3000 नैचुरोपैथी चिकित्सकों ने भाग लिया।
- ✓ 18 नवम्बर 2019, नैचुरोपैथी दिवस के दिन 702 लोगों को एक साथ, मिट्टी स्नान कराकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
- ✓ पिछले तीन वर्षो में वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत 18 राज्यों में 11,000 युवाओं द्वारा 1500 गाँव में 3.5 करोड़ पेड़ (फलदार, छायादार और औषधीय) लगाये गये।
- ✓ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2019 के अवसर पर 21 जून को 35 लाख लोगो को योगाभ्यास कराया गया।
- ✓ 2016 से प्रतिवर्ष 1,00,000 युवाओं की खेलकूद प्रतियोगिता एवं लघु व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन।
- ✓ 2010 से 500 आदिवासी बच्चों के लिए गुजरात में सूर्या एकलव्य सैनिक स्कूल का संचालन।
- ✓ 2018 से हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण के माध्यम से 300 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया।
- ✓ 18 सिलाई केन्द्र के माध्यम से 400 बहनों को प्रशिक्षित किया गया।
- ✓ **जैविक कृषि सम्मेलन 2019-20 (एक दिवसीय)**– तीन राज्यों (हरियाणा, मध्य प्रदेश, सिलीगुड़ी–पश्चिम बंगाल) के 2000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

बदलाव की ओर बढ़ता बसई गाँव

बसई गाँव में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संस्कार केन्द्र, यूथ क्लब, स्वच्छता अभियान, नशामुक्ति अभियान, वृक्षारोपण, ग्राम गौरव मेला, रन फॉर यूनिटी आदि कार्यक्रम किये जाते हैं। यूथ क्लब के भैयाओं द्वारा गाँव में श्रमदान किया जाता है। स्वावलंबन की दृष्टि से गाँव में छः स्व-सहायता समूह बनाये गये हैं। महिलायें आपस के लेनदेन में समूह का पैसा उपयोग कर रही हैं। गाँव में ग्राम गौरव मेला बड़े हर्ष उल्लास से मनाया जाता है। समय-समय पर भजन कीर्तन एवं भैया बहनों द्वारा प्रभात फेरी का आयोजन भी किया जाता है।

विकास विश्वकर्मा
इंचार्ज चयनित आदर्श गाँव

स्वच्छता की दृष्टि से सभी परिवारों में कूड़ादान दिया गया है। विद्यालय परिसर में बड़े कूड़ादान लगाए गए हैं। आज गाँव में स्व-सहायता समूह, भजन मण्डली, सेवाभावी समिति, ग्राम विकास समिति, स्वच्छता समिति, शिक्षा समिति, किसान समिति आदि कार्यरत है। इस छोटी सी कल्पना को साकार करने के लिए आज गाँव के प्रत्येक व्यक्ति का सम्पूर्ण योगदान मिल रहा है जिसके परिणाम स्वरूप आज गाँव का स्वरूप बदला हुआ दिखता है।

बसई गाँव में हुए विकास कार्य

- गाँव के 7 कार्यकर्ताओं का सूर्या प्रशिक्षण।
- लघु व्यक्तित्व विकास शिविरों में 174 बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया।
- खेलकूद प्रतियोगिता से 180 युवाओं को खेल से जोड़ा गया।
- बच्चों में संस्कार और युवाओं के व्यवहार में परिवर्तन हुआ।
- खेलकूद प्रतियोगिता आयोजन से युवाओं में खेलकूद के प्रति जागरुकता बढ़ी।
- सामूहिक गणेशोत्सव से धार्मिक वातावरण का निर्माण।
- किसान गोष्ठी में 154 किसानों ने जैविक खेती प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- 240 पशुओं का टीकाकरण कराया गया।
- स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम में 40 लोगों का चेकअप किया गया।
- गाँव में छः स्व-सहायता समूह का गठन।
- लक्ष्मी स्व-सहायता समूह को 10 हजार रुपये का अनुदान मिला है।
- गाँव में 5 सार्वजनिक कूड़ादान लगाया गया।
- गाँव में 60 परिवारों में कूड़दान दिया गया।
- 40 लागों का श्रमिक कार्ड बनवाया।
- 30 घरों में सरकार द्वारा कम्पोस्ट खाद बनाने के लिए मदद मिली।
- 12 बहनों ने सिलाई सीखकर अपना रोजगार शुरु किया है।
- ग्राम गौरव मेला आयोजन से आपसी भाईचारा बढ़ा है।

युवा निर्माण – सूर्या यूथ क्लब

हरीश कुमार
(शिक्षक)

मैं हरीश कुमार सैनी 2015 से सूर्या फाउण्डेशन में 20 दिन की ट्रेनिंग के बाद गाँव मे आकर सूर्या यूथ क्लब चला रहा हूँ। जिससे युवाओं में खेलों की ओर रुचि बढ़ी है। युवाओं के रहन-सहन व बोल-चाल में सुधार आया है। युवा अपने बड़ों से आदर से बात करने लगे। युवा बढ़-चढ़कर सभी खेलों में भाग ले रहे हैं। सभी युवा बड़ों का सम्मान करते हैं। युवाओं को व्यायाम, योग, देश भक्ति के गीत कराये जाते हैं। हमारे यहाँ 25 से 30 युवा प्रतिदिन केन्द्र पर आते हैं।

मैं सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित सूर्या यूथ क्लब से पिछले 4 वर्षो से जुड़ा हूँ। सूर्या यूथ क्लब जाने से मेरे अंदर खेलकूद की भावना जगी है। मैं वॉलीवॉल का खिलाड़ी हूँ। हर साल आयोजित होनेवाली वॉलीवॉल प्रतियोगिता में मैं अपनी टीम का कैप्टन रहता हूँ। खेल के माध्यम से युवा टीम मजबूत हुई है। हम भारतीय खेलों का भी पूरा आनंद लेते हैं। अन्त में 15 मिनट के लिए हम सभी गाँव के विकास के बारे में चर्चा करते हैं।

वेद प्रकाश (खिलाड़ी)

सूर्या यूथ क्लब की युवा टीम

पेड़ लगाना काम महान, एक पेड़ दस पुत्र समान।

शिक्षा – सूर्या संस्कार केन्द्र

रणधीर सिंह
(शिक्षक)

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा बसई गाँव में सात वर्ष से संस्कार केन्द्र चल रहा है। केन्द्र पर 30 बच्चे नियमित आते हैं। अभिभावक अपने बच्चों को स्वयं केन्द्र पर भेजते हैं। सभी बच्चे केन्द्र आते ही जूते चप्पल पंक्ति से रखते हैं। केन्द्र पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं। केन्द्र पर प्रार्थना, गीत, ध्यान, प्राणायाम, माता-पिता का आदर करना आदि संस्कार की बातें सिखाई जाती हैं। सभी बच्चे आते और जाते समय मिलने वाले व्यक्तियों से हरे कृष्णा का संबोधन करते हैं। विशेष क्लास के अंतर्गत बच्चों को डांस, कराटे, सामूहिक श्रमदान आदि कराया जाता है।

मैं कक्षा 5 की छात्रा हूँ। सूर्या बाल संस्कार केन्द्र पर पढ़ने आती हूँ। पहले मेरा पढ़ाई में मन बहुत कम लगता था और अपने माता-पिता की किसी भी बात को ध्यान से नहीं सुनती थी। पढ़ाई कम करती थी, शैतानी बहुत करती थी, लेकिन संस्कार केन्द्र पर प्रतिदिन आने से मुझमें बहुत सुधार आया। मैं पढ़ाई और खेलकूद में ध्यान देती हूँ। अपने घर के कामों मे हाँथ भी बटाती हूँ। बड़े बुजुर्गो की बात भी मानती हूँ। हरे कृष्णा एवं नमस्ते भी आदत में आ गया है। अब मुझे पहाड़े, गिनती, गीत, कहानियाँ याद हैं। *– आकांक्षा कुमारी*

सूर्या संस्कार केन्द्र बसई में चित्रकला प्रतियोगिता कार्यक्रम

बसई गाँव में चल रहे कार्यक्रमों की कुछ झलकियाँ

कौन बनेगा स्वस्थ्य रक्षक प्रतियोगिता

विद्यालय में वृक्षारोपण करते हुए

बच्चों द्वारा स्वच्छता अभियान रैली का अयोजन

स्वयं सहायता समूह की बेठक

गौ-पूजन करते हुए

नवरात्रि में गाँव की महिलाओं द्वारा कलश यात्रा

जैविक खेती व सेवाभावी अनुभव

गाँव के प्रतिष्ठित, सम्मानित व सेवा कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों को सूर्या फाउण्डेशन द्वारा प्रशिक्षित कर उन्हें गावों में संचालित गतिविधियों की जिम्मेदारी देते हैं। वे गार्जियन के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं। ऐसे ही सेवाभावी कार्यकर्ताओं के कुछ अनुभव कथन...

रितुराज
जैविक किसान

मैंने अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की, उसके बाद मैनें खेती की शुरुआत की। मेरा अनुभव सूर्या फाउण्डेशन के साथ कृषि कार्य को लेकर रहा है। सूर्या फाउण्डेशन ने एक बड़े पैमाने पर जैविक कृषि सम्मेलन आयोजित किया जिसमे गाँव बसई एवं अन्य पड़ोसी गाँव के कृषक सम्मिलित हुए। वहाँ पर कृषि वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों के द्वारा जैविक खेती, किसानों की आय बढ़ाने और बीमारियों को कम करने, कम खर्चीली खेती, अधिक उत्पादन, गौ-आधारित खेती, आदि के बारे में जानकारी दी। साथ ही खाद व पोषक तत्व को बनाने की प्रक्रिया के बारे में बताया। गाँव में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए सूर्या फाउण्डेशन ने समय-समय पर किसानों से संपर्क बनाए रखा। मैं चाहता हूँ कि फाउण्डेशन की ओर से जैविक खेती एवं अन्य कार्यों में इसी प्रकार रुचि रहे और कृषक एवं लोगों को उन्नति के लिए प्रोत्साहित करती रहे।

ओम प्रकाश सैनी
पूर्व प्रधान-बसई

गाँव को आदर्श बनाने के लिये सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संस्कार केन्द्र, सूर्या यूथ क्लब, स्वयं सहायता समूह, सिलाई केन्द्र आदि प्रकल्पों के माध्यम से जन-जागरण किये जा रहे हैं। स्वच्छता अभियान, नशा-मुक्ति रैली, वृक्षारोपण आदि किया गया है। मैंने साधना स्थली झिंझौली में पाँच दिवसीय सेवाभावी प्रशिक्षण लिया।

गाँव के मंदिर की समिति के सहयोग से धर्मशाला का निर्माण हुआ है। जिससे गाँव में होने वाली शादियाँ, सामूहिक कार्यक्रम हेतु एक सुविधाजनक स्थान बन गया है। जिसमें मेरा भी समय-समय पर सहयोग एवं सहभागिता रहती है। हम जल्द ही बसई गाँव को पूरे भारतवर्ष में एक आदर्श गाँव बनाने में कामयाब होंगे। जिस प्रकार पुंसरी एवं पाटोदा गाँव में समाज एवं सभी वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक लाभ हेतु सार्वजनिक कार्य किए गए हैं, इस प्रकार के कार्य हमारे गाँव में भी हों ऐसा करने का प्रयास कर रहे हैं।

मेरा गाँव
आदर्श गाँव

महिला सशक्तिकरण – सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

मोनिका सैनी

सिलाई शिक्षिका एवं अध्यक्ष : लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह

मैं सूर्या फाउण्डेशन में 2017 से जुड़ी हुई हूँ। मैंने अपने पड़ोस की महिलाओं को इकट्ठा करके लक्ष्मी स्व-सहायता समूह का गठन किया। सभी सदस्य प्रत्येक सप्ताह 25-25 रुपये जमा करते हैं। फाउण्डेशन के माध्यम से बैंक खाते के साथ-साथ ब्लॉक में रजिस्ट्रेशन भी कराया है। समूह को दो वर्ष के बाद 10000 आर.एफ. फण्ड भी मिला है।

इस समूह को देखकर गाँव की अन्य महिलाएँ भी प्रेरित हुई। समूह के माध्यम से गाँव में नशामुक्ति और स्वच्छता हेतु जन जागरण भी किया गया। आज इसका परिणाम देखते हुए महिलाओं के छः समूह चल रहे हैं। इन सभी समूहों के सदस्यों का महिलाशक्ति संगठन के नाम से रजिस्ट्रेशन कराया गया है।

सूर्या यूथ क्लब खिलाड़ी अनुभव कथन

रचित पाल
(खिलाड़ी)

मैं 2015 से सूर्या फाउण्डेशन के सूर्या यूथ क्लब से जुड़ा हूँ। खेलने से हमें बहुत लाभ होता है। यूथ क्लब पर वॉलीवॉल, सूर्य नमस्कार, भारतीय खेल, कबड्डी आदि कराया जाता है। हरीश भैया के दिशा निर्देश में केन्द्र में समय समय पर नए-नए प्रयोग कराए जाते हैं। यूथ क्लब का समय सायं 04:00 से 05:30 तक है। वर्ष में एक बार खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होता है। यूथ क्लब पर नियमित आने से हमारे बोलचाल की भाषा में सुधार हुआ है।

राजेन्द्र कुशवाहा
सेवा कार्यकर्ता
-बसई गाँव

भारत-वर्ष के देवभूमि कहे जाने वाले राज्य उत्तराखण्ड के उधमसिंह नगर जिले में काशीपुर शहर से महज 10 किलोमीटर दूर **बसई गाँव** अपने आस-पास के गाँवों के लिए रोल-मॉडल बनकर उभरा है। **सूर्या फाउण्डेशन** (एक समाजिक संस्था) द्वारा आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत सन् 2016 में बसई गाँव को चयनित किया गया जिसमें विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से गाँव को **'शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलम्बन, समरसता और स्वच्छता'** से परिपूर्ण बनाने का संकल्प लिया है। 263 परिवार वाले छोटे से गाँव में माँ-चामुण्डा देवी, भोले शंकर, एवं स्थानीय देवी-देवताओं के **कुल 6 मंदिर हैं।** जिसमें गाँव के समस्त परिवार-जन बड़ी श्रद्धा के साथ पूजा पाठ करते हैं।

बसई गाँव में स्वच्छता का स्तर यह है कि कोई भी ग्रामवासी कूड़ा इधर-उधर नहीं फेंकते, गाँव में **प्रत्येक घरों और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ेदान हैं,** इन्हीं का उपयोग किया जाता है। सरकार से मिलने वाले बजट का इस्तेमाल गाँव के विकास पर किया गया है जिसमें गाँव की प्रमुख सड़कें, सार्वजनिक स्थानों पर सोलर लाईट, आदि विकास कार्य हुए हैं।

2019 में आदर्श गाँव **बसई शौच-मुक्त गाँव घोषित हो चुका है।** गाँव में कूड़े और गोबर से जैविक-खाद तैयार की जाती है। पशुपालन को अधिक से अधिक बढ़ावा दिया जा रहा है। इस गाँव में कुल 489 पशुधन हैं। बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ गाँव में शिक्षा और रोजगार की व्यवस्था है। इसके अलावा गाँव में हर छः महीने में **पशु-टीकाकरण, स्वास्थ्य-शिविर एवं किसान-गोष्ठी** का आयोजन किया जाता है जिससे किसान उत्तम स्वास्थ्य के साथ-साथ जैविक कृषि की ओर बढ़े हैं।

गाँव में ...

कुल परिवार : 263

जनसंख्या : 1400

पुरुष : 710

महिलायें : 610

मंदिर : 06

विद्यालय : 02

होंगे कामयाब

गाँव आदर्श बनाने हेतु मुख्य आधार बिन्दु

1. **शिक्षा**– गाँवों की साक्षरता 100% सुनिश्चित करना। गाँव में सभी शिक्षित व संस्कारित हो।
2. **स्वास्थ्य**–योग, नैचुरोपैथी यानि प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद से, खान–पान से स्वस्थ बनें।
3. **स्वावलंबन**–स्व–सहायता समूह द्वारा महिलाओं एवं पुरूषों को रोजगार देना।
4. **स्वच्छता**–गाँव, घर साफ–सुथरा हो, घर–घर में शौचालय हो। सभी मिलकर श्रमदान करें।
5. **समरसता**–सभी जाति, वर्ग के लोग मिल–जुलकर रहें, आपसी भाईचारा बढ़े।
6. **सेवा**– नर सेवा–नारायण सेवा। समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव। दूसरों का भला सोचें।
7. **स्कीम**–सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति, परिवार को मिले ऐसा प्रयास करें
8. **स्पोर्ट्स (खेलकूद)**–युवा शक्ति को खेलकूद, व्यायाम के माध्यम से सबल व अनुशासित बनाना।

सेवा कार्यों में लगे कार्यकर्ता

क्रम	नाम	दायित्व	मोबाइल
1.	नितीश कुमार	क्षेत्र प्रमुख	9097950310
2.	राजेन्द्र कुशवाहा	पूर्णकालिक कार्यकर्ता	6396092839
3.	रणधीर सिंह	संस्कार केन्द्र शिक्षक	9131718157
4.	हरीश कुमार	यूथ क्लब शिक्षक	7500580292
5.	मोनिका देवी	सिलाई केन्द्र शिक्षिका	8954000426
6	बृजेश पाल	सेवाभावी	9617172057
7.	सुधीर सिंह	सेवाभावी	8449033998
8.	रितुराज सिंह	सेवाभावी	7617406980

समाचार पत्रों में बसई गाँव की झलकियाँ

ग्राम गौरव मेला नवरात्रि का आयोजन शुरू

काशीपुर एक्सप्रेस, काशीपुर

काशीपुर। नवरात्रि के प्रथम दिन आदर्श गांव बसई का मजरा में सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के अंतर्गत ग्राम गौरव मेला नवरात्रि महोत्सव 2018 के अंतर्गत कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा मां चामुंडा मंदिर से प्रारंभ हुई तथा गांव के मुख्य मार्गो से गुजरते हुए बसई के शिव मंदिर में कलश स्थापित किए गए। ग्राम सेवा प्रमुख राजेन्द्र कुशवाहा ने बताया कि देश भर के 18 राज्यों के 265 गांवो में ग्राम गौरव मेला के अंतर्गत नवरात्रों में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजिए कराए जा रहे हैं। बताया कि हर दिन प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरूस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर प्रांत प्रमुख पुरूषोत्तम राणा, रणधीर सिंह सैनी, बृजेश कुमार, राजकुमार पाल, हरीश कुमार, रवि चौहान, तरूण कुमार आदि तमाम ग्रामवासी मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय में किया वृक्षारोपण, सुरक्षा हेतु लगाये ट्री गार्ड

काशीपुर 27 सितम्बर (मंटा संवाददाता)। आदर्श गांव बसई का मजरा के राजकीय प्राथमिक विद्यालय परिसर में सूर्या फाउंडेशन के 6.25 करोड़ वृक्षारोपण महा अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया एवं समस्त वृक्षों की सुरक्षा हेतु ट्री गार्ड भी लगाए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सूर्या रोशनी लिमिटेड एच-आर महाप्रबंधक संजीव कुमार ने बताया कि पेड़ लगाना बड़ी बात नहीं बल्कि पेड़ का संरक्षण करना एवं उनकी देखभाल करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी बनती है। आज समय के अनुकूल बारिश न होना, अधिक से अधिक क्षेत्रों में बाढ़ आना एवं प्रदूषण की भारी समस्या का सामना पेड़ न होने के कारण ही करना पड़ रहा है। उन्होंने कमेटी के सदस्यों से आग्रह किया कि हर वर्ष प्रत्येक व्यक्ति 5-6 पेड़ अवश्य लगाए। इसलिए नहीं कि उन पेड़ों से क्या लाभ होगा बल्कि जब हम इस दुनिया से जाएं तो कम से कम यह लकड़ियां हमारी अर्थी के काम आ सके। फिरोजाबाद के जिला पंचायत रवीकांत यादव ने कहा कि जिस प्रकार आज हम अनेकों प्रकार के फल फूलों का अपने जीवन में प्रयोग कर रहे हैं वह पौधे को हमारे लिए किसी ना किसी ने इस धरा पर लगाए ही होंगे। तो क्यों न हम भी हमारी आने वाली पीढ़ी का ध्यान रखते हुए पेड़ पौधों को अधिक से अधिक इस धरा पर लगाएं। वृक्षारोपण कार्यक्रम में सूर्या फाउंडेशन प्रांत प्रमुख पुरूषोत्तम राणा, जिला विधिक प्राधिकरण सदस्य रणधीर सिंह सैनी, प्रीतम सिंह राणा, पूर्व प्रधान ओम प्रकाश सैनी, राजेन्द्र, हरीश कुमार, राजकुमार, राजेन्द्र कुशवाह आदि उपस्थित थे।

सूर्या फाउंडेशन के सौजन्य से स्वच्छता जन जागरण रैली का आयोजन

काशीपुर। आदर्श गांव बसई का मजरा में स्वच्छता महाअभियान के अंतर्गत सूर्या फाउंडेशन के सौजन्य से स्वच्छता जन जागरण रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ कर मां चामुंडा मंदिर से गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए प्राइमरी विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर समापन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं व ग्रामीणों को सूर्य संस्कार केंद्र शिक्षक रणधीर सिंह सैनी द्वारा फाउंडेशन उत्तराखंड के प्रांत प्रमुख पुरुषोत्तम राणा ने बताया कि स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर 2014 को भारत सरकार द्वारा की गई थी। महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण निर्णय था। महात्मा गांधी ने अपने आसपास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने संबंधी शिक्षा देकर राष्ट्र को उत्कृष्ट संदेश दिया था। इसका उद्देश्य व्यक्ति कलस्टर और समुदायक शौचालय की समस्या को कम करने या समाप्त करने की योजना है। 2 अक्टूबर 2019 को महात्मा गांधी के जन्म की 150 वीं वर्षगांठ तक पूरे भारत को खुले में शौच मुक्त करने का लक्ष्य लिया गया है। रैली में ग्राम सेवा प्रमुख राजेंद्र हिंदुस्तानी, सूर्या यूथ क्लब केंद्र के शिक्षक हरीश सैनी, सूर्या बाल संस्कार केंद्र के शिक्षक रणधीर सिंह सैनी, विवेक, ध्रुव, नितिन, अभिषेक, हिमांशु, बहन पायल, मधु, रिया, आकांक्षा समेत ग्रामीण मौजूद रहे।

मंदिर पर कलश स्थापित किए

(काशीभूमि ब्यूरो)

काशीपुर। नवरात्रि के प्रथम दिन के अवसर पर आदर्श गांव बसई का मंजरा में सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के अंतर्गत ग्राम गौरव मेला नवरात्रि महोत्सव 2018 के अंतर्गत कलश यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गांव की समस्त महिलाओं ने मां चामुंडा मंदिर से कलश यात्रा प्रारंभ कराई गई। इस दौरान कलश यात्रा गांव के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए बसई के शिव मंदिर हो करके मंदिर पर कलश स्थापित किए गए। इस अवसर पर ग्राम सेवा प्रमुख राजेंद्र कुशवाह ने बताया कि सूर्या फाउंडेशन गांव योजना के अंतर्गत देशभर में 18 राज्यों के 265 गांव में ग्राम गौरव मेला कार्यक्रम कराए जा रहे हैं। देशभर में 265 गांव में 10 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक प्रत्येक दिन ग्राम गौरव मेला के अंतर्गत अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित कराए जा रहे हैं। प्रथम दिन के कार्यक्रम में कलश यात्रा एवं ओम पताका तथा कलश स्थापना(मंदिर) भजन महिलाओं द्वारा। दूसरे दिन स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान।

तीसरे दिन चित्रकला रंगोली प्रतियोगिताएं बच्चों एवं महिलाओं द्वारा। चौथे दिन भजन कीर्तन, दुर्गा पाठ, हनुमान चालीसा, (स्थानीय देवी देवताओं का पूजन)। पांचवे दिन युवा दौड़ प्रतियोगिता जिसमें समस्त गांव के युवा भाग लेंगे। छठें दिन मातृ पितृ पूजन एवं सम्मान। सातवें दिन गृह सज्जा प्रतियोगिता। आठवें दिन कुर्सी दौड़ की दौड़ में माँ. हलाओं एवं बच्चों, बहनों के माध्यम से। नवे दिन रूप सज्जा प्रतियोगिता दुर्गा स्वरूप बहने रामस्वरूप भैया जिला का आयोजन। दसवें दिन मेले का आयोजन एवं गांव के बुजुर्गो का सम्मान किया जाएगा। इस अवसर पर प्रत्येक गांव में सूर्या संस्कार केंद्र के शिक्षक सूर्या यूथ क्लब के शिक्षक अपने युवा टोली सेवाभावी समिति, सूर्या बाल संस्कार केंद्र के बच्चे एवं सूर्या यूथ क्लब के भैया आदि मिलकर मेले का आयोजन करेंगे।

ग्राम गौरव मेला के प्रत्येक दिन की प्रतियोगिताओं के दौरान प्रथम द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को अंतिम दिवस में पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मनित किया जाएगा। इस दौरान गांव के स्वयं सहायता समूह की समस्त महिलाएं सूर्या बाल संस्कार केंद्र के भैया-बहन, सूर्या बूथ क्लब की युवा टीम और सूर्या फाउंडेशन प्रांत प्रमुख पुरुषोत्तम राणा, सेवाभावी रणधीर सिंह सैनी, बीडीसी मेंबर बृजेश कुमार, राजकुमार पाल, हरीश कुमार, रवि चौहान, तरुण कुमार इस दौरान समस्त ग्रामवासियों ने हर्षोल्लास से भाग लिया।

सभी रोगों की एक दवाई, घर में रखो साफ-सफाई का दिया संदेश

स्वच्छता महाअभियान के अंतर्गत बच्चों ने निकाली रैली

वसुंधरा दीप ब्यूरो

काशीपुर। आदर्श गांव बसई का मजरा में स्वच्छता महाअभियान के अंतर्गत सूर्या फाउंडेशन के सौजन्य से स्वच्छता जन जागरण रैली का आयोजन किया गया, इसमें गांव के समस्त भैया-बहनों ने भाग लिया। रैली का शुभारंभ मां चामुंडा मंदिर से करते हुए गांव के मुख्य मार्गों से होकर प्राइमरी विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर समापन किया गया। इस दौरान सभी भैया-बहनों को एवं गांव के प्रमुख बंधुओं को सूर्या संस्कार केंद्र शिक्षक रणधीर सिंह सैनी ने स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

भगवान रूपी माता, पिता को याद कर हम स्वच्छता की शपथ लेते है कि हम अपने घरों का कचरा न सड़क पर फेंक देंगे और न ही किसी को फेंकने देंगे। हम अपने घरों का गीला कचरा और सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबिनों में रखेंगे और नगर निगम की गाड़ी में ही डालेंगे। हम खुले में शौच नहीं करेंगे, शौच के लिए शौचालय में ही जाएंगे। बच्चों को भी खुले में शौच नहीं करने देंगे। हम यह भी शपथ लेते हैं कि पॉलीथिन का उपयोग नहीं करेंगे, लाने एवं ले जाने के लिए कपड़े से बनी थैली का ही उपयोग करेंगे। भारत माता की जय।

रैली के दौरान सभी भैया बहन अपने हाथों में विशेष संदेश की तख्तियां लेकर रैली को आकर्षित बनाया। जिसमें स्वच्छता ही सेवा है। मेरा गांव साफ हो इसमें सब का हाथ हो। स्वच्छता अपनाएं बीमारी भगाएं। पॉलिथीन से नाता तोड़ो, स्वच्छता से नाता जोड़ो। युवा शक्ति की बारी है, स्वच्छता की तैयारी है। गांधीजी का सपना, स्वच्छ भारत हो अपना। अब हमने यह ठाना है, देश को स्वच्छ बनाना है। सभी रोगों की एक दवाई, घर में रखो साफ-सफाई। धरती माता करे पुकार, आसपास का करो सुधार। इन संदेशों के साथ दोहराते हुए रैली का आयोजन किया गया।

इस दौरान सूर्या फाउंडेशन उत्तराखंड प्रांत प्रमुख पुरुषोत्तम राणा ने बताया कि स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत दो अक्टूबर 2014 को भारत सरकार द्वारा की गई थी। महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण निर्णय था। महात्मा गांधी ने अपने आसपास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने संबंधी शिक्षा देकर राष्ट्र को उत्कृष्ट संदेश दिया था। इसका उद्देश्य व्यक्ति कलस्टर और समुदायक शौचालय की समस्या को कम करने या समाप्त करने की योजना है। दो अक्टूबर 2019 को महात्मा गांधी के जन्म की 150 वीं वर्षगांठ तक पूरे भारत को खुले में शौच मुक्त करने का लक्ष्य लिया गया है।

रैली में ग्राम सेवा प्रमुख राजेंद्र हिंदुस्तानी, सूर्या यूथ क्लब केंद्र के शिक्षक हरीश सैनी, सूर्या बाल संस्कार केंद्र के शिक्षक रणधीर सिंह सैनी, पुरुषोत्तम राणा, विवेक, ध्रुव, नितिन, अभिषेक, हिमांशु, पायल, मधु, रिया, आकांक्षा एवं गांव के सेवाभावी बंधुगण उपस्थित रहे।

बसई का मजरा में किसान गोष्ठी का आयोजन

काशीपुर एक्सप्रेस, काशीपुर

काशीपुर। सूर्या फाउंडेशन के तत्वाधान में आदर्श गांव बसई का मजरा में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें आसपास के पांच कार्य युक्त गांव के किसान बंधु उपस्थित रहे जिसके मुख्य अतिथि जैविक उद्यान परिषद परंपरागत कृषि विभाग से आए हुए चंद्रशेखर जोशी, एडीओ.राम सिंह, एलआरपी, कमलेश कुमार, जैविक खेती क्षेत्र प्रमुख आशीष नेगी, सूर्या रोशनी लिमिटेड एचआर प्रबंधक आशुतोष मिश्रा, ऑल इंडिया ट्रेनिंग चीफ, गौतम नायक एवं सभी शिक्षक बंधु उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जैविक कृषि विशेषज्ञ चंद्रशेखर जोशी ने बताया कि पिछले 8 वर्षों से जैविक कृषि कार्यक्रम को किसानों तक पहुंचाने का कार्य कृषि विभाग और जैविक उद्यान परिषद के माध्यम से किसानों तक पहुंचाया है सभी किसान बंधु जानते होंगे कि पहले हमारे परिवार के सदस्य परंपरागत कृषि ही करते थे लेकिन अधिक उपज के लालच के कारण आज यह स्थिति हो चुकी है कि जो उपज हम परंपरागत कृषि से पाते थे उसको भी खो चुके और आज हमारी फसल, या हम बीमार नहीं है बल्कि हमारी धरती मां बीमार हो चुकी है इसके मुख्यतः दो कारण एक केमिकल यूज करने से एवं प्रकृति का दोहन करने से अगर हमें धरती मां को स्वस्थ बनाना है तो जैविक एवं परंपरागत कृषि को अपनाना आवश्यक है। वहीं ऑल इंडिया ट्रेनिंग चीफ गौतम नायक ने कहा कि जिस प्रकार अधिक दूध के लालच के कारण हम विदेशी नस्ल की गायों अधिक उपयोग कर रहे हैं जिससे हर दूसरे व्यक्ति को घुटने का दर्द कैंसर, एवं ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां हम सभी को जकड़ रही हैं। वहीं राजेंद्र हिंदुस्तानी ने कहा कि सूर्या फाउंडेशन जैविक कृषि पर विशेष फोकस करते हुए देश के 18 राज्यों में विभिन्न स्थानों पर किसान सम्मेलन का आयोजन कर रहा है जिसके माध्यम से जैविक कृषि करने वाले किसान बंधुओं को सम्मानित करना एवं अधिक से अधिक किसान इस दिशा में कार्य करें और प्रकृति वातावरण के साथ-साथ हम सभी के स्वास्थ्य को भी ठीक रख सकें इस उद्देश्य के साथ किसान सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर ऋतुराज, रणधीर सिंह सैनी समेत अनेक किसानों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर लखविंदर, हरीश, मनोज, अंकित, शिव स्वामी, दीपक, पंकज, रवि कुमार, देशराज, मुनेश, राजवीर व रवि उपस्थित रहे।

पंचायत चुनाव के बाद होगा राशनकार्ड का नवीनीकरण

काशीपुर। राशन कार्डो का नवीनीकरण अब पंचायत चुनाव के बाद होगा। हालांकि लोगों की भीड़ रोजाना ब्लॉक मुख्यालयों पर उमड़ रही है। लेकिन उन्हें अधिकारी चुनाव का हवाला देकर वापस कर दे रहे हैं। ब्लॉक सभागार में अभी पंचायत चुनाव की तैयारी चल रही है। सभी कर्मचारी आपत्तियों को दर्ज करने में लगे हैं। करीब 50 लोग राशनकार्ड के लिए सहायक विकास अधिकारी जगदीश चंद्र पंत के पास पहुंचे। लेकिन उनके राशनकार्ड नहीं बन सके। सहायक विकास अधिकारी ने उन्हें चुनाव के बाद आने के लिए कहा।

कौन बनेगा स्वास्थ्य रक्षक प्रतियोगिता

काशीपुर एक्सप्रेस, काशीपुर

काशीपुर। इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गनाइजेशन एवं सूर्या फाउंडेशन के तत्वधान में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आदर्श गांव बसई का मजरा में कौन बनेगा स्वास्थ्य रक्षक प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। बताएं कि विद्यार्थियों में शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास हेतु कौन बनेगा स्वास्थ्य रक्षक प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। इसी उद्देश्य को लेकर के बुधवार को विद्यालय में 50 विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन कर कौन बनेगा स्वास्थ्य रक्षक प्रतियोगिता की पुस्तक वितरण की गई जिसमें 1 महीने के दौरान सिलेबस के अनुसार सभी विद्यार्थियों की क्लासेस लगेंगी और सिलेबस कंप्लीट होने के बाद सामूहिक परीक्षा दिलाई जाएगी। प्रतियोगिता में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर के सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रांत प्रमुख पुरुषोत्तम राणा, ग्राम सेवा प्रमुख राजेंद्र हिंदुस्तानी, विद्यालय प्रधानाचार्य एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

सूर्या फाउंडेशन ने पेड़ों की सुरक्षा हेतु लगाए ट्री गार्ड

काशीपुर एक्सप्रेस, काशीपुर

काशीपुर। सूर्या फाउंडेशन ने आदर्श गांव बसई का मजरा के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पेड़ों की सुरक्षा हेतु लगाए ट्री गार्ड।

सूर्या फाउंडेशन की ओर से आदर्श गांव योजना वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत आदर्श गांव बसई का मजरा में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के परिसर में विद्यार्थियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया जिसमें वृक्षों की सुरक्षा हेतु सेफ्टी ट्री गार्ड लगाए गए। विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं को को संकल्प दिलाते हुए ग्रुप में डिवाइड करके अलग अलग पौधों का सभी विद्यार्थियों को संरक्षण का दायित्व दिया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि जिस ग्रुप का प्लांटेशन सबसे स्वस्थ एवं सुंदर होगा ऐसे तीन ग्रुप के सदस्यों को चयन कर समय-समय पर सम्मानित भी किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों में प्लांटेशन के प्रति ध्यान आकर्षित होगा और उनके संरक्षण की चिंता भी रहेगी। वहीं किसी ने खूब लिखा है कि देख तमाशा लकड़ी का हमारे जन्म से लेकर मरने तक मानव और पेड़-पौधों का अटूट संबंध है अतः वृक्षों के बिना जीवन संभव नहीं है पूरे विश्व के कल्याण के लिए वृक्षारोपण व उनका संरक्षण बहुत जरूरी है। इसके लिए हमें कई प्रयास करने होंगे। जंगलों की कटाई को रोकना होगा। ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने होंगे। और प्रत्येक हमारे धार्मिक 30 त्योहारों पर एवं उसी के अवसर के दौरान हम सबको यह संकल्प लेना चाहिए एक सदस्य के हिसाब से एक सदस्य को अपनी उम्र के अनुसार वृक्षों के संरक्षण हेतु जितना अधिक से अधिक समय दे सकते हैं उतना देना चाहिए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि बीडीसी मेंबर बृजेश पाल, सूर्या फाउंडेशन के प्रांत प्रमुख पुरुषोत्तम राणा, ग्राम सेवा प्रमुख राजेंद्र हिंदुस्तानी, सूर्या संस्कार केंद्र शिक्षक रणधीर सिंह सैनी, देशराज, सूर्या यूथ क्लब केंद्र के शिक्षक हरीश कुमार सैनी, रवि कुमार, विद्यालय के प्रधानाचार्य सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं गांव के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वस्थ जीवन चाहिए तो अपनानी होगी पारंपरिक खेतीः जोशी

विदेशी नस्ल की गायों के दूध से बढ़ रही हैं घुटने का दर्द, कैंसर एवं ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां

➲ सूर्या फाउंडेशन ने बसई का मजरा में कराई किसान गोष्ठी

वसुंधरा दीप ब्यूरो

काशीपुर। सूर्या फाउंडेशन के तत्वावधान में आदर्श गांव बसई का मजरा में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के पांच कार्य युक्त गांव के किसान बंधु उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि जैविक उद्यान परिषद परंपरागत कृषि विभाग से आए हुए चंद्रशेखर जोशी, एडीओ राम सिंह, एलआरपी कमलेश कुमार, जैविक खेती क्षेत्र प्रमुख आशीष नेगी, सूर्या रोशनी लिमिटेड एचआर प्रबंधक आशुतोष मिश्रा, ऑल इंडिया ट्रेनिंग चीफ गौतम नायक एवं सभी शिक्षक बंधु उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जैविक कृषि विशेषज्ञ चंद्रशेखर जोशी ने अपने संबोधन में बताया कि पिछले आठ वर्षों से जैविक कृषि कार्यक्रम को किसानों तक पहुंचाने का कार्य कृषि विभाग और जैविक उद्यान परिषद के माध्यम से किया जा रहा है। सभी किसान बंधु जानते होंगे कि पहले हमारे परिवार के सदस्य परंपरागत कृषि ही करते थे, लेकिन अधिक उपज के लालच के कारण आज यह स्थिति हो चुकी है कि जो उपज हम परंपरागत कृषि से पाते थे उसको भी खो चुके हैं और आज हमारी फसल, या हम ही बीमार नहीं है बल्कि हमारी धरती मां भी बीमार हो चुकी है, इसके मुख्यतः दो कारण एक केमिकल यूज करने से एवं प्रकृति का दोहन करने से। अगर हमें धरती मां को स्वस्थ बनाना है तो जैविक एवं परंपरागत कृषि को अपनाना आवश्यक है।

वहीं ऑल इंडिया ट्रेनिंग चीफ गौतम नायक ने बताया कि जिस प्रकार अधिक दूध के लालच के कारण हम विदेशी नस्ल की गायों अधिक उपयोग कर रहे हैं जिससे हर दूसरे व्यक्ति को घुटने का दर्द, कैंसर एवं ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां हम सभी को जकड़ रही है। विदेशी नस्ल की गायों का दूध के अलावा और किसी भी चीज का उपयोग जैविक कृषि हेतु नहीं कर सकते, जबकि देसी नस्ल का गाय का गोमूत्र, गोबर एवं अन्य सभी तत्वों का हमारी जैविक कृषि के लिए अत्यधिक लाभकारी होता है। अगर देसी गाय को हम सभी ने नहीं संभाला तो आने वाली पीढ़ी इन सभी बीमारियों से ग्रस्त रहेगी एवं इन सब के जिम्मेदार हम सब की पीढ़ी मानी जाएगी।

राजेंद्र हिंदुस्तानी ने बताया कि सूर्या फाउंडेशन जैविक कृषि पर विशेष फोकस करते हुए देश के 18 राज्यों में विभिन्न स्थानों पर किसान सम्मेलन का आयोजन कर रहा है, जिसके माध्यम से जैविक कृषि करने वाले किसान बंधुओं को सम्मानित करना एवं अधिक से अधिक किसान इस दिशा में कार्य करें और प्रकृति वातावरण के साथ-साथ हम सभी के स्वास्थ्य को भी ठीक रख सकें इस उद्देश्य के साथ किसान सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर बसई गांव में जैविक कृषि कर रहे युवा ऋतुराज, रणधीर सिंह सैनी समेत अनेक किसानों को फाउंडेशन की ओर से सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर गांव की महिलाओं समेत किसान बंधु लखविंदर, हरीश, मनोज, अंकित, शिव स्वामी, दीपक, पंकज, रवि कुमार, देशराज, मुनेश, राजवीर, रवि इत्यादि शिक्षकगण उपस्थित रहे।